अप्रैल 2024

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

लोकसभा चुनाव 2024

PDA की लहर

R.N.I. No. 68832/97

युवा ही देश का भविष्य हैं। युवा ही क्रांति लाते हैं। युवाओं की स्वाभाविक पसंद समाजवादी पार्टी है इसलिए सपा के युवा कार्यकर्ताओं को समाजवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करना चाहिए। यही विचारधारा सामाजिक न्याय को सुनिश्चित कर सकती है। समाज से विषमता समाप्त कर समानता लाना ही समाजवादी पार्टी का ध्येय है।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

अप्रैल 2024
वर्ष 25 | संख्या 06

प्रिय पाठकों,

आपको बधाई एवं हृदय तल से आभार। आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। आप सभी के प्यार और उत्साहवर्धन की बदौलत यह संभव हो पाया। समाजवादी बुलेटिन के ढाई दशक के सफर में इसके नए कलेवर को आपने खूब सराहा। हम भरोसा दिलाते हैं कि वैचारिक स्तर पर आपको समृद्ध करने का हमारा प्रयास सतत जारी रहेगा। कृपया अपना स्नेह यूं ही बनाए रखें।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

डिंपल ने मैनपुरी का मन जीता 28

08 कवर स्टोरी **PDA की लहर**

दम दिखा रहीं समाजवादी नारियां 32

महिलाओं को हक देने की बात तो सभी करते हैं लेकिन समाजवादी पार्टी ने ही उन्हें उनका हक दिया है। इसका प्रमाण है समाजवादी पार्टी की ओर से लोकसभा चुनाव में अच्छी संख्या में महिलाओं को टिकट दिया जाना। यह इस बात का भी प्रमाण है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ाने के पक्के हिमायती हैं।

भाजपा को भारी पड़ रही INDIA की एकजुटता 04

अखिलेश ने परिवार से मिलकर बांटा गम 43

भाजपा को भारी पड़ रही INDIA की एकजुटता

बुलेटिन ब्यूरो

विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की एकजुटता ने भाजपा की नींद उड़ा दी है और वह भी मान चुकी है कि विपक्षी दलों की एकजुटता उसपर भारी पड़ चुकी है। नई दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन में शामिल दलों की कामयाब रैली के बाद उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के नेतृत्व ने एका की ताकत दिखाई है ।

उत्तर प्रदेश में 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान का प्रचार ख़त्म होने के आखिरी दिन 17 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गाजियाबाद में साझा प्रेस कांफ्रेंस कर इंडिया गठबंधन को वोट देने की अपील की।

उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर रही सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के पीडीए के नारे ने भाजपा के सभी समीकरणों को पहले ही ध्वस्त कर दिया है। दिल्ली में इंडिया गठबंधन की महारैली में श्री

अखिलेश यादव को मिले महत्व ने भी साफ कर दिया है कि यूपी की 80 सीटों पर इंडिया गठबंधन की जीत पक्की हो चुकी है और यहीं से भाजपा की विदाई भी तय है। इस महारैली में उमड़ी भीड़ और गठबंधन के घटक दलों की एकजुटता ने पूरे देश को यह संदेश दे दिया है कि भाजपा सरकार के दिन अब लद गए हैं।

यूपी में समाजवादी पार्टी ने जैसे ही इंडिया गठबंधन का नेतृत्व स्वीकारा, पूरे देश में यह संदेश चला गया कि उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े और मजबूत विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के इंडिया गठबंधन के साथ आने से भाजपा की विदाई पक्की है क्योंकि यूपी में पीडीए की लहर चल रही है और भाजपा का सफाया होने जा रहा है। यही वजह रही कि देशभर के अधिकांश विपक्षी दल इंडिया गठबंधन के साथ आ गए।

पटना में हुई विपक्षी दलों की महारैली में आकर्षण का केंद्र रहे श्री अखिलेश यादव को 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई इंडिया गठबंधन की रैली में खासा महत्व दिया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री और आप नेता भगवंत मान ने उन्हें खासतौर पर दिल्ली की रैली में आने का आमंत्रण दिया जिसे श्री अखिलेश यादव ने सहजता से स्वीकार किया।

दिल्ली की इस महारैली में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार से देश को हो रहे नुकसान पर प्रकाश डाला और बताया कि जनता क्यों भाजपा सरकार को हटाने जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह भाजपा ने चुने गए मुख्यमंत्रियों श्री हेमंत सोरेन, श्री अरविंद केजरीवाल को जेल में डाला है उससे पूरी दुनिया में उसकी थू-थू हो रही है पर भाजपा

को फर्क नहीं पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि हम विपक्षी दल दिल्ली आ गए हैं और दिल्ली वाले अब जा रहे हैं। अब ये ज्यादा दिन नहीं टिकेंगे। वे हमेशा-हमेशा के लिए दिल्ली से जा रहे हैं। जनता उन्हें हटाने के लिए मतदान का इंतजार कर रही है। जब वोट पड़ेगा तो दिल्ली ही नहीं, भाजपा का देश से सफाया हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा वाले नारा देते हैं कि 400 पार तो वह बताएंगे कि तो उन्हें अरविंद केजरीवाल, हेमंत सोरेन से परेशानी क्यों थी? उन्हें जेल में क्यों डाल दिया? उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि वे 400 हारने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग स्वागत करना जानते हैं तो विदाई भी धूमधाम से करते हैं।

रैली में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग ईडी व सीबीआई को आगे

कर चंदा वसूली करते हैं। ये लोग संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि देश को बचाने, संविधान को बचाने, लोकतंत्र बचाने के लिए भाजपा को हराना होगा। जनता के वोट से ही देश बचेगा।

रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता श्रीमती सोनिया गांधी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, राजद नेता तेजस्वी यादव, शरद पवार, शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे, सीपीआई एम महासचिव सीताराम येचुरी, सीपीआई महासचिव डी राजा, पीडीपी प्रमुख महबूबा सईद, नेशनल कांफ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल व हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन आदि ने भी विचार रखे।

इस बीच आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री संजय सिंह ने लखनऊ आकर श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच चुनाव को लेकर चर्चा हुई। श्री संजय सिंह ने कहा की इंडिया गठबंधन का हिस्सा होने के नाते उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने की कोई कसार नही छोड़ेगी।

लोकसभा चुनाव 2024

PDA की लहर

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 के शुरुआती चरणों में ही समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के पक्ष में जबरदस्त माहौल बन गया है। सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव के PDA के नारे का पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यकों यानी पीडीए पर बेहद सकारात्मक असर दिख रहा है। चुनाव प्रचार के तेज होते जाने के साथ ही PDA की एकजुटता वस्तुत: लहर में तब्दील हो गई है।इससे स्पष्ट है कि जनता ने श्री अखिलेश यादव के 80 हराओ भाजपा हटाओ की अपील पर अमल करने कामन बना लिया है। उत्तर प्रदेश में भाजपा का सफाया तय है और समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण लोकसभा चुनाव 2024 के शुरुआती दिनों में ही भाजपा पस्त हो गई है और पश्चिम से पूरब तक भाजपा के खिलाफ माहौल बना हुआ है। भाजपा राज में जुल्म व दमन के शिकार हुए किसान-नौजवान, मजदूर, पिछड़ा, दलित,

अल्पसंख्यक भाजपा के खिलाफ उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को विकल्प के तौर पर न सिर्फ देख रहा है बल्कि समाजवादी पार्टी उसकी पहली पसंद बन चुकी है। पीडीए के पक्ष में बन रही इस लहर को देखकर भाजपा में घबराहट दिखने लगी है और वह झूठा प्रचार व दूसरे हथकंडों से पीडीए की इस लहर को थामने की कोशिश में जुटी है मगर उसे कामयाबी नहीं मिल पा रही है क्योंकि पीडीए जान चुका है कि अगर भाजपा को नहीं हटाया गया तो अगले 5 साल उसपर और बुरे बीतने वाले हैं।

यूपी में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर रही समाजवादी पार्टी यूं ही जनता की पहली पसंद नहीं बनी है। दरअसल, श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार ने जनहित में जो काम किए, जनता उनकी तुलना भाजपा सरकार के कार्यकाल से कर रही है जिसमें जनता को अब स्पष्ट रूप से समझ में आने लगा है कि जनहित के काम समाजवादी सरकार ही कर सकती है।

प्रदेश से लेकर देश के राजनीतिक फलक पर भी श्री अखिलेश यादव की बेबाकी, स्पष्ट नीति, देशहित में उठाए गए कदम और मुद्दों पर संघर्ष करने की उनकी नीति, कार्यक्रम हमेशा ही लोगों भाये हैं।

मुद्दों के आधार पर जनता ने पहले ही भाजपा को खारिज कर दिया है। भाजपा का अति आत्मविश्वास भी उसे ले डूबा है क्योंकि यूपी की अधिकांश सीटों पर भाजपा ने अपने दो बार के सांसदों को ही तीसरी बार प्रत्याशी बना दिया है। ये वे सांसद हैं जिन्होंने अपने दो बार के कार्यकाल में कोई काम नहीं किया और जनता उनसे बेहद नाराज है। इतना ही नहीं भाजपा के केंद्रीय एवं राज्य नेतृत्व का अघोषित शीतयुद्ध भी भाजपा पर भारी पड़ रहा है।

भाजपा किस तरह चुनाव में हार मान चुकी है, इसका एक उदाहरण यह भी है कि उसे प्रत्याशी घोषित करने में भी पसीने छूट रहे हैं। कई सीटों पर उसे प्रत्याशी ही नहीं मिल रहे हैं। भाजपा के लिए 2024 में यूपी में जीतना इसलिए भी नामुमकिन है क्योंकि ऐसे तमाम मुद्दे हैं जिसपर उसकी पोल खुल चुकी है। यही वजह है कि भाजपा मुद्दों के नाम पर चुनाव लड़ना नहीं चाहती और वह दूसरे हथकंडों से धुव्रीकरण की कोशिश में जुटी है जोकि इस बार कामयाब होती नहीं दिख रही क्योंकि जनता के बीच उसकी विश्वसनीयता खत्म हो गई।

भाजपा ने जिस तरह विधायिका, कार्यपालिका और दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया, वह किसी से छिपा नहीं है। जिस तरह ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई का दुरुपयोग हुआ है, वह भी जनता की समझ में आ चुका है। जनता के बीच अब यह राज फाश हो चुका है कि भाजपा से जुड़ जाने के बाद भ्रष्टाचारी के पाप धुल जाते हैं और उनपर कार्यवाही बंद कर दी जाती है मगर विपक्षी नेताओं को

परेशान करने में भाजपा कोई कोरकसर नहीं छोड़ती।

बीते 10 साल के भाजपा राज में यूपी के लोग यह जान चुके हैं कि उनपर क्या-क्या बीती। लाकडाउन के दौरान उठाई परेशानी, कोरोना कालखंड के दौरान इलाज के अभाव में अपने परिवारीजनों को खोने का गम और घर में बेरोजगार बैठा नौजवान, यूपी वालों के गुस्से को बढ़ाने के लिए काफी है। यूपी की जनता 2024 में भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार है।

दरअसल, भाजपा राज में कोई ऐसा वर्ग नहीं है जोकि पीड़ित और उत्पीड़ित न हुआ हो। किसानों पर जितने जुल्म हुए, जिस तरह उनके आंदोलनों को सरकारी तंत्र के दम पर कुचला गया, कितने ही किसान मारे गए और कितनों ने कर्ज में डूबने की वजह से आत्महत्या कर ली, यह किसान कैसे भूल सकते हैं। किसानों की फसल की एमएसपी तय न होना और उसपर काला कानून थोपना भी किसानों के घाव को ताजा किए हुए है। भाजपा राज में जिस तरह गन्ना मूल्य का बकाया चल रहा है, वह भी किसानों के गुस्से को बढ़ा रहा है।

ऐसे ही नौजवान भी भाजपा से दुखी और गुस्से में है क्योंकि उसे भी रोजगार नहीं मिल रहा है और वह डिग्रियां लेकर बेकार घूम रहा है। भर्तियों की तैयारी के बाद पर्चा लीक होने से उसका भविष्य अंधकारमय हो गया है। यूपी की कोई भी ऐसी भर्ती नहीं है जिसका पर्चा लीक न हुआ है। उसपर तुर्रा यह कि भाजपा सरकार यह भी नहीं बता पा रही है कि आखिर पर्चा लीक क्यों हो रहा है। अब नौजवान यह कहने लगा है कि सरकार ही पर्चा लीक कराकर भर्तियां रद्द कर देती है ताकि भाजपा सरकार को नौकरी न देनी पड़े।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पिछड़ा, दलितों व अल्पसंख्यक समाज के लिए भाजपा राज में कोई जगह नहीं बची है। यह तबका, परेशान और उत्पीड़ित किया जा रहा है। नौकरियां मिल नहीं रहीं और आरक्षण खत्म करने की साजिशें हो रही हैं। जनता के बीच बन रहे ऐसे माहौल ने यह ऐलान कर दिया है कि उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटों पर भाजपा की करारी हार होने जा रही है और इंडिया गठबंधन का परचम लहराने जा रहा है। भाजपा उत्तर प्रदेश के रास्ते ही दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई थी और उत्तर प्रदेश के रास्ते ही इस बार उसकी केंद्र से विदाई होगी।

पश्चिम से समाजवादी सूर्योदय

लोकसभा चुनाव-2024 के शुरुआती दोनों चरणों से ही समाजवादी पार्टी के पक्ष में जबरदस्त माहौल बन चुका है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बने इस माहौल से स्पष्ट है कि पश्चिम से समाजवादी पार्टी का सूर्योदय हो चुका है। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ेगा इसकी चमक का विस्तार होता जाएगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की रणनीति, बेहतर प्रत्याशी चयन, उम्मीदवारों की मेहनत और जनता का व्यापक समर्थन, श्री अखिलेश यादव की जनसभाओं में उमड़ रहा जनसैलाब, कार्यकर्ताओं का उत्साह जीत की गवाही दे रहा है। जिसका पूरा लाभ इंडिया गठबंधन को मिलेगा। पश्चिम का माहौल पूरब तक के लिए जीत का स्पष्ट संदेश है। श्री अखिलेश यादव की चुनावी सभाओं से बने माहौल पर पेश है ***विशेष रिपोर्ट:***

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की फिजा में समाजवादी पार्टी का रंग सिर चढ़कर बोल रहा है। हर मुंडेर पर समाजवादी झंडा, सड़कों-गलियों में घूमती युवा समाजवादी कार्यकर्ताओं की टोलियां, बुजुर्गों और महिलाओं में समाजवादी पार्टी के बीच बढ़ा विश्वास, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की बढ़ती लोकप्रियता का जिक्र हर जुबां पर है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पहले चरण से ही समाजवादी पार्टी की जीत पक्की होती दिख रही है। यह तय है कि आगे के चरणों में समाजवादी पार्टी का यह रंग और गाढ़ा होता जाएगा।

मुजफ्फरनगर में विजयघोष

15 अप्रैल को मुजफ्फरनगर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की जनसभा में कड़ी धूप के बावजूद जुटी ऐतिहासिक भीड़ ने समाजवादी पार्टी का विजयघोष कर दिया। धूप की परवाह करे बिना उमड़ा जनसैलाब बता गया कि वे अपने प्रिय नेता श्री अखिलेश यादव को मजबूत करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मुजफ्फरनगर लोकसभा क्षेत्र के

समाजवादी पार्टी-इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी हरेंद्र मलिक के चुनावी सभा में उमड़ा जनसैलाब समाजवादी पार्टी की जीत का परवाना लेकर पहुंचा था। इतनी ऐतिहासिक भीड़ अभी तक किसी भी दल की सभा में नहीं जुटी थी।

कार्यकर्ताओं का जोश, उल्लास और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के स्वागत में लग रहे नारे बता रहे थे कि अब समाजवादी पार्टी प्रत्याशी को सिर्फ जीत का प्रमाण पत्र लेना है। यहां सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पहले चरण के चुनाव से ही हवा इंडिया गठबंधन के पक्ष में है। पश्चिमी यूपी में चल रही हवा भाजपा का सूपड़ा साफ कर देगी। इस बार लोकसभा चुनाव का माहौल अलग है। हर वर्ग के लोग भाजपा के खिलाफ और इंडिया गठबंधन के पक्ष में खड़े हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकसभा चुनाव लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण बचाने का चुनाव है।

बिजनौर में सपा की बयार

इस से पहले 13 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बिजनौर में सभा करने पहुंचे तो वहां उमड़ी भीड़, जनता का उत्साह गवाही दे रहा था कि बिजनौर में भी सपा की बयार बह रही है। श्री अखिलेश यादव के स्वागत में गगनभेदी नारे, जोश से लबरेज आमजन की आवाज बता रही थी कि बिजनौर के लोग भी समाजवादी पार्टी की विजय पताका फहराने के लिए तैयार हैं।

बिजनौर लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी श्री दीपक सैनी के पक्ष में मतदान की अपील पर जनसैलाब ने जिस तरह हाथ उठाकर समर्थन दिया, उसने समाजवादी पार्टी की जीत पर मुहर लगा दी।

जनता का समर्थन पाकर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि साबित हो गया कि पश्चिमी यूपी में परिवर्तन की हवा चल रही है। सभा को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा

सरकार जनता के अधिकारों को छीन रही है। वे संविधान खत्म करना चाहते हैं। भाजपा संविधान की भक्षक है। लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। सत्ता में बैठे लोग पता नहीं कहां से ऐसी भाषा सीख कर आए हैं।

संविधान की शपथ लेकर बड़े पदों पर बैठे भाजपा नेताओं की भाषा डराने वाली है। भाजपा के नेता जिस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे है वह संविधान की शपथ लेने वाले नेताओं की नहीं है। बड़े पदों पर बैठने वालों की भाषा और व्यवहार विनम्र होना चाहिए तभी हमारा संविधान और लोकतंत्र बचेगा।

नगीना पर सपा का रंग चढ़ा

13 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की नगीना लोकसभा क्षेत्र में हुई रैली में भी भारी जनसमूह पहुंचा। उमड़ा जनसैलाब और उसमें नगीना से आए कार्यकर्ताओं और आमजन की भीड़ में जबरदस्त जोश दिख रहा था । लोगों का उत्साह संदेश दे रहा था कि नगीना में वह समाजवादी पार्टी प्रत्याशी मनोज कुमार की जीत पक्की कर चुके हैं।

श्री अखिलेश यादव ने जब नगीना लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी मनोज कुमार को भारी मतों से जिताने की अपील की तो जनसमूह ने दोनों हाथ उठाकर जिस तरह उनका समर्थन किया, उसने बता दिया कि नगीना में भी समाजवादी पार्टी की लहर चल रही है और वहां भी जीत सुनिश्चित है।

जनसभा से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों, नौजवानों सभी को धोखा दिया है।

भाजपा सरकार में हर पेपर लीक हो जाता है। भाजपा जानबूझकर पेपर लीक कराती है। लीक करने वाले भाजपाई हैं। भाजपा सरकार की नीयत नौजवानों को नौकरी देने की नहीं है। नौजवान और किसान आज खुद को ठगा महसूस कर रहा है। नौजवानों, किसानों में भाजपा को लेकर भारी आक्रोश है। किसान, नौजवान लोकसभा चुनाव में भाजपा का सफाया कर देगा।

मनोज कुमार

SAI

पश्चिम में भाजपा की बोहनी खराब हो गई

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव 2024 के प्रथम चरण के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में परिवर्तन की हवा बह रही है। समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के पक्ष में जबरदस्त माहौल है और पहले चरण से ही भाजपा की बोहनी खराब हो गई है और उसका सूपड़ा साफ हो गया है। पहले चरण में पस्त हो चुकी भाजपा घबरा गई है क्योंकि पश्चिम का संदेश पूरब तक चला गया है और समाजवादी पार्टी गठबंधन 80 सीटों पर चुनाव जीतने जा रहा है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की रैलियों में उमड़े जनसैलाब के बीच श्री अखिलेश यादव ने आह्वान किया कि इस चुनाव में सभी को एकजुट होकर भाजपा को हराना है। लोकसभा चुनाव से नौजवानों, किसानों और देश में जनता का भविष्य जुड़ा है। भाजपा ने सभी को धोखा दिया है। जिसके कारण पूरे देश में भाजपा के खिलाफ नाराजगी है। भाजपा पहले जुमलेबाजी करती थी अब गारंटी लेकर आई है।

उन्होंने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव विशेष परिस्थितियों का चुनाव है। एक तरफ संविधान बचाने वाले समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन के लोग हैं तो दूसरी तरफ संविधान को कमजोर करने वाली भाजपा है। समाजवादी पार्टी में पीडीए परिवार भाजपा के एनडीए को हराने जा रहा है। भाजपा यूपी की सभी सीटें हारेगी। श्री यादव ने कहा कि भाजपा देश में 400 सीटें हारने जा रही है। हार के डर से भाजपा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जबसे भाजपा दिल्ली की सरकार में आई है महंगाई बढ़ती जा रही है। डीजल, पेट्रोल, रसोईगैस, खाने-पीने की चीजें सबके दाम बढ़ा दिए हैं। 2014 से 2024 के बीच महंगाई कई गुना बढ़ गई। जनता को राहत देने के बजाय भाजपा अपने लिए चंदा वसूलती रही। भाजपा ने भ्रष्टाचार बढ़ाने का काम किया। भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। इलेक्टोरल बांड के माध्यम से भाजपा ने वसूली की है। ऐसी वसूली दुनिया में कहीं नहीं हुई। जिस कम्पनी का कोई कारोबार नहीं, जिसकी कोई कमाई नहीं, उससे भी भाजपा ने चंदा वसूल लिया।

पीलीभीत में भाजपा पस्त

12 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जब पीलीभीत पहुंचे तो उनके स्वागत के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यकर्ताओं का उत्साह, जोश और आम जनता ने जिस तरह श्री यादव का स्वागत किया, उनपर भरोसा जताया, उसने इसी दिन इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी की जीत की इबारत लिख दी। उत्साह के बीच श्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन के लोकसभा प्रत्याशी भगवत शरण गंगवार के पक्ष में विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा है कि पीलीभीत का नाम सुनते ही भाजपा नेताओं के चेहरे पीले पड़ जा रहे हैं। जिस तरह माहौल बना है उससे स्पष्ट है कि पीलीभीत में समाजवादी पार्टी की ऐतिहासिक जीत होगी इसीलिए यूपी से लेकर दिल्ली तक भाजपा के लोग घबराए हुए हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों को धोखा दिया है। किसानों के खिलाफ भाजपा तीन काले कानून लाई थी लेकिन किसानों की ताकत से घबरा कर भाजपा ने काले कानून वापस ले लिए। पीलीभीत के लोग किसान आंदोलन में सबसे आगे रहे। श्री यादव ने कहा कि जो लोग किसान आंदोलन को दबा रहे थे आज भाजपा उन्हें आगे बढ़ा रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पीलीभीत से घोषित भाजपा प्रत्याशी वही हैं जिन्होंने सड़क मंत्री बनते ही बड़ा घोटाला किया। विभाग में उन्होंने ट्रांस्फर पोस्टिंग के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। यह कई दल घूम कर आए हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री जी बताएं 40 हजार करोड़ से ज्यादा रूपया गड्ढ़ा में खर्च हुआ, क्या पीलीभीत की सब सड़कें गड्ढामुक्त हो गईं। उन्होंने कहा कि पीलीभीत का किसान, नौजवान भाजपा को सबक सिखाने जा रहा है।

सपा का विजन डॉक्यूमेंट

जनता का मांग पत्र

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव-2024 के लिए 10 अप्रैल को पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र जारी किया जिसे विजन डाक्यूमेंट नाम दिया गया है। जनता का मांग पत्र- हमारा अधिकार शीर्षक से जारी विजन डॉक्यूमेंट में जनता को उसके अधिकारों की दिए जाने की वचनबद्धता दर्शाई गई है।विजन डॉक्यूमेंट में वर्ष 2025 तक जातीय जनगणना कराने का वायदा किया गया है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विजन डॉक्यूमेंट जारी करते हुए बताया कि इसे जनता से, सोशल मीडिया, संस्थाओं तथा व्यक्तियों के सुझावों के आधार पर तैयार किया गया है इसलिए इसे जनता का मांग पत्र कहा गया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे

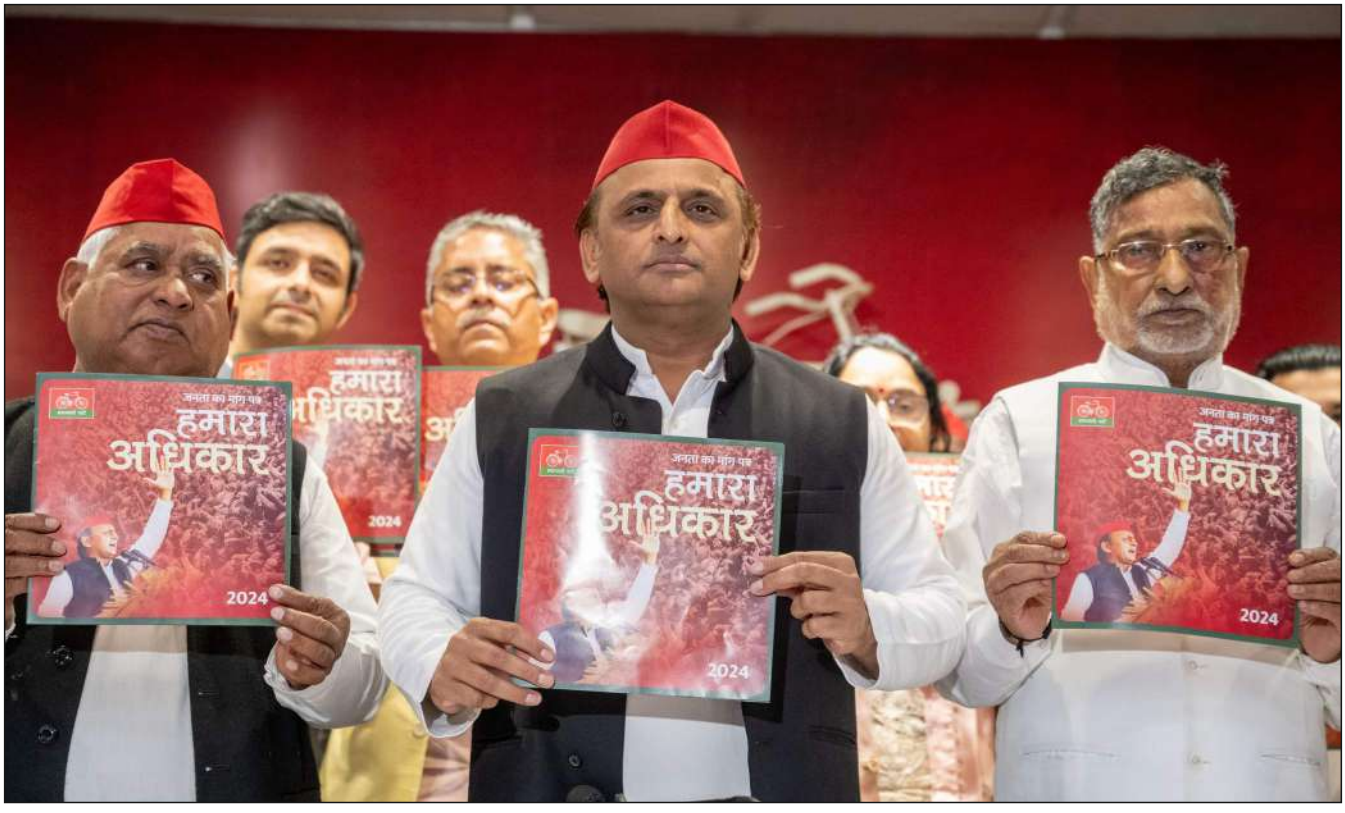

संवैधानिक अधिकारों में संविधान बचाने, लोकतंत्र की रक्षा, मीडिया की आजादी, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और स्वायत्तता तथा न्याय और समानता के अधिकार को बचाने के लिए समाजवादी पार्टी वचनबद्ध है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में विजन डॉक्यूमेंट का ब्यौरा विस्तार से पेश किया।

2025 तक जातीय जनगणना

विजन डॉक्यूमेंट में 2025 तक जातीय जनगणना कराने और 2029 तक सबको न्याय एवं हिस्सेदारी सुनिश्चित करने, 2029 तक भूख से मुक्ति और गरीबी के पूर्ण उन्मूलन तथा आरक्षण के सभी सरकारी रिक्त पड़े पदों को भरने का भरोसा दिलाया गया है।

किसानों के लिए एमएसपी

समाजवादी पार्टी के विजन डाक्यूमेंट में दुग्ध सहित सभी फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारन्टी दिलाने, किसान ऋण माफ करने, मुफ्त सिंचाई, किसान आयोग के गठन, हर 10 किलोमीटर पर मंडी स्थापना, गन्ना किसानों के भुगतान के लिए 10 हजार करोड़ रूपये का रोलिंग फंड बनाने और भूमिहीन तथा छोटे सीमांत किसानों को 5 हजार रूपये प्रतिमाह पेंशन दिए जाने का भी वायदा है।

नागरिक अधिकारों पर जोर

विजन डॉक्यूमेंट में सामाजिक न्याय, रोटी का अधिकार, गरीबी से बाहर निकलने, आवारा पशुओं से खेत एवं जान बचाने, गड्ढा मुक्त सड़कों पर चलने, 24 घंटे बिजली आपूर्ति, बेहतर स्वास्थ्य सेवा, सुविधा से एफआईआर दर्ज होने, खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए आवश्यक संसाधन पाने के अधिकार पर बल दिया गया है।

रोजगार की गारंटी

जनता के मांग पत्र में मनरेगा की मजदूरी 450 रुपए तक बढ़ाने, कार्य के दिन 150 दिन तक करने, शहरी रोजगार गारन्टी अधिनियम 2024 को पहले संसदीय सत्र में लागू करने, राष्ट्रीय रोजगार नीति और मिशन रोजगार की स्थापना करने की घोषणा भी है। युवाओं के लिए लैपटाप वितरण योजना लागू करने, पेपर लीक रोकने का भरोसा भी दिलाया गया है।

आटा-डाटा का अधिकार

विजन डॉक्यूमेंट में आटा-डाटा का अधिकार देने, मुफ्त राशन में गेहूं की जगह आटा देने का वादा किया गया है। इसके लिए मंडियों के पास ही अत्याधुनिक तकनीकी वाला 'आटा प्लांट' लगाएंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर लोगों को रोज़गार भी मिलेगा। इसके अलावा हर राशन कार्ड धारक को 500 रुपये का मोबाइल डाटा

महिला सशक्तिकरण

- महिलाओं के ख़िलाफ़ अपराध के लिए जीरो टॉलरेंस एवं देशव्यापी हेल्पलाइन।
- परिसीमन की प्रतीक्षा किए बिना 2 साल के भीतर संसद एवं विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा, जिसके भीतर दलित, पिछड़े एवं अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को उनकी संख्या के अनुपात में भागीदारी दी जाएगी।
- पुलिस सहित सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण।
- 'फ्री गर्ल चाइल्ड एजुकेशन' कन्याओं के लिए 'केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा'।
- गरीबी रेखा से नीचे की महिलाओं को 3000 रुपये प्रति माह तक की मासिक पेंशन दी जाएगी।

उद्योग और वाणिज्य

- एमएसएमई के सूक्ष्म क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और बुनकर समुदाय के लिए विशेष योजनायें बनाई जाएंगी।
- अनुसंधान एवं विकास पर बजट दोगुना किया जाएगा।
- भारत को AI (Artificial Intelligence) में अग्रणी बनाएँगे।
- निर्यात में वृद्धि कर वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी को दोगुना करने का लक्ष्य।
- कुटीर उद्योगों को पुनर्जीवित किया जायेगा।
- GST प्रणाली के विपरीत प्रभावों का मूल्यांकन करते हुए उसमें बुनियादी सुधार लाएंगे।

रक्षा और विदेश नीति

- अग्निवीर नीति को समाप्त किया जाएगा। सशस्त्र बलों में नियमित भर्ती एक बार फिर से शुरू की जाएगी।
- भारत में रक्षा उपकरणों के निर्माण पर जोर दिया जाएगा, रक्षा क्षेत्र का स्वदेशीकरण होगा। रक्षा क्षेत्र को पर्याप्त बजट दिया जाएगा और इस क्षेत्र का आधुनिकीकरण किया जाएगा। राष्ट्र की Safety और Sovereignty की हर स्थिति में रक्षा की जाएगी।
- विशेष रूप से चीन और पाकिस्तान के संदर्भ में हम अपनी सीमाओं की रक्षा करेंगे। घुसपैठ या आतंकवाद को बढ़ावा देना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शिक्षा और स्वास्थ्य

- निःशुल्क शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करेंगे।
- शिक्षा के लिए बजट जीडीपी के 3% से दोगुना कर 6% किया जाएगा एवं गुणवत्ता के लिए मिशन चलाया जाएगा।
- 'Skill Based Vocational Education' पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और इंडस्ट्रीज से जोड़ा जाएगा।
- सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल के अधिकार की कानून द्वारा गारंटी दी जाएगी।
- स्वास्थ्य पर वर्तमान सार्वजनिक व्यय को दोगुना कर जीडीपी के 3.5% तक लाया जाएगा।
- सरकार विद्यार्थियों को न्यूनतम ब्याजदर पर शिक्षा-लोन उपलब्ध कराएगी।
- डिजिटल डिवाइड को समाप्त करेंगे।

श्रम कल्याण

- न्यूनतम दैनिक मजदूरी को बढ़ाकर 450 रुपये किया जाएगा।
- केंद्रीय व राज्य सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के निजीकरण को बंद किया जाएगा एवं छंटनी रोकी जाएगी।
- सभी असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए 10 लाख का बीमा और 5000 प्रति माह पेंशन की व्यवस्था की जाएगा।
- पुरानी पेंशन योजना (OPS) को पैरा-मिलिट्री सहित सभी के लिए फिर से बहाल किया जाएगा।
- असंगठित क्षेत्र के स्किल-अनस्किल श्रमिकों को 500 रुपये प्रति माह 'श्रमिक सम्मान निधि' प्रदान किया जाएगा।

युवा और रोजगार

- मनरेगा के तहत मजदूरी बढ़ाकर 450 रुपये की जाएगी और कार्य के दिन (man days) 150 तक किये जाएँगे।
- मनरेगा की तर्ज पर शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम 2024 के पहले संसदीय सत्र में लागू किया जाएगा।
- सभी रिक्त पड़ी सरकारी नौकरियों को तत्काल भरा जाएगा।
- सभी के लिए राष्ट्रीय रोजगार नीति और मिशन रोजगार स्थापित किया जाएगा।
- युवाओं के लिए लैपटॉप वितरण योजना पूरे देश में लागू की जाएगी।
- पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं में भ्रष्टाचार को पूर्ण रूप से समाप्त किया जाएगा।

किसान कल्याण

- दुग्ध सहित सभी फसलों के लिए एमएसपी। एमएसपी की गणना स्वामीनाथन फॉर्मूले (सी 2+50%) के आधार पर की जाएगी।
- कानूनी गारंटी के रूप में सभी किसानों को एमएसपी।
- भूमिहीन किसानों समेत सभी कृषि/किसान ऋण 2024 में माफ किए जाएंगे।
- किसानों की सिंचाई मुफ्त की जाएगी।
- कृषि ऋण की निगरानी करने और किसानों को नियमित आधार पर राहत प्रदान करने के लिए किसान आयोग का गठन किया जाएगा।
- भूमिहीन/किरायेदार किसानों सहित सभी छोटे और सीमांत किसानों (2.5 एकड़ से कम भूमि) के लिए 5000 रुपये प्रति माह की पेंशन दी जाएगी।
- सभी कृषि प्रधान राज्यों में हर 10 किलोमीटर पर एक मंडी की स्थापना।
- यूपी में गन्ना किसानों के लिए समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए 10000 करोड़ रुपये के रोलिंग फंड की स्थापना की जाएगी।
- मनरेगा द्वारा निजी कृषि मजदूरों को उनकी मजदूरी का 40% भुगतान किया जाएगा।

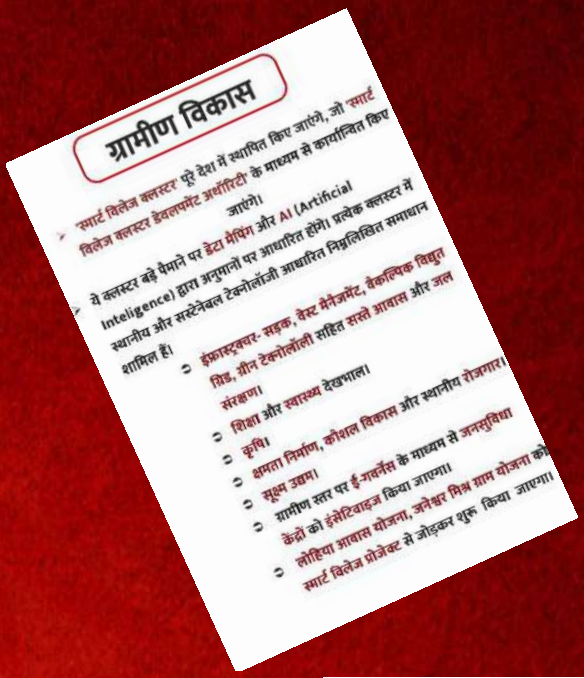

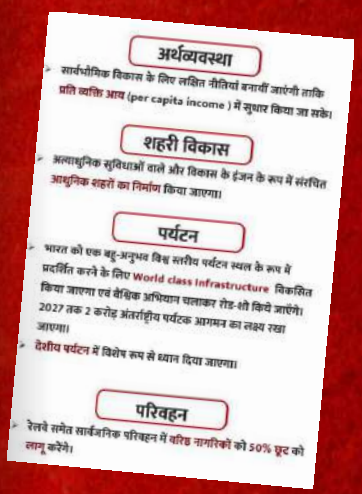

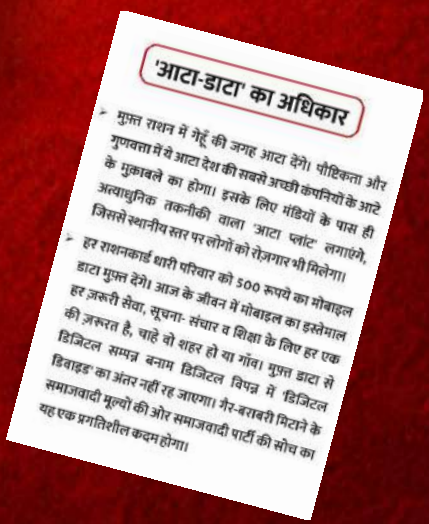

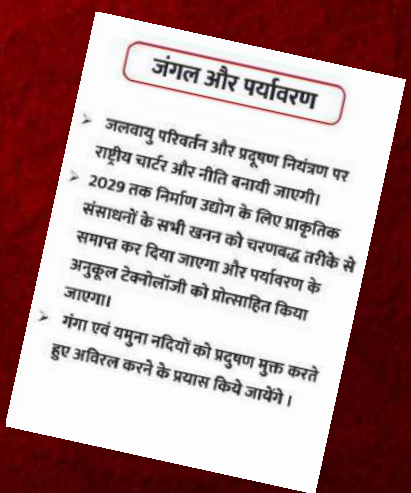

मुफ्त देने का वादा किया गया है। गैरबराबरी मिटाने का यह समाजवादी सोच का प्रगतिशील कदम होगा।

महिला आरक्षण

निःशुल्क शिक्षा, छात्रों को शिक्षा लोन, बेहतर स्वास्थ्य सेवा, महिलाओं के सशक्तीकरण के अंतर्गत संसद-विधानसभाओं के अतिरिक्त सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण जिसके भीतर दलित, पिछड़े, एवं अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को उनकी संख्या के अनुपात में भागीदारी दी जाएगी। केजी से पीजी तक कन्याओं को मुफ्त शिक्षा, गरीब महिलाओं को तीन हजार रूपये प्रतिमाह पेंशन तथा महिला अपराध रोकने के लिए जीरो टालरेंस नीति अपनाने का भी वादा है।

पुरानी पेंशन योजना की बहाली

समाजवादी विजन डॉक्यूमेंट में केन्द्रीय राज्य सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में निजीकरण बंद करने, छंटनी रोकने, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों के लिए 10 लाख का बीमा और 5 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन तथा 500 रुपये श्रमिक सम्मान निधि जारी करने के साथ पूरे देश में स्मार्ट विलेज क्लस्टर स्थापित करने तथा सस्ते आवास, जल संरक्षण के साथ आधुनिक शहरों के निर्माण और पर्यटन की स्तरीय सुविधाओं पर बल देने के साथ वरिष्ठ नागरिकों को 50 प्रतिशत छूट रेलवे समेत सभी सार्वजनिक परिवहन में देने का भी वायदा किया गया है। साथ ही वायदा है कि प्रति व्यक्ति आय में सुधार की लक्षित नीतियां बनाई जाएंगी।

NDA के गले में अटक गया है PDA

फाइल फोटो

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

विपक्षी राजनीतिक दलों के गठबंधन इंडिया की PDA की रणनीति भाजपा के नेतृत्व वाले NDA के गले में अटक गई है। पीडीए पर जोर देते हुए कांग्रेस पार्टी और समाजवादी पार्टी दोनों ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। उन घोषणा पत्रों से एनडीए के नेताओं में एक खास किस्म की तिलमिलाहट पैदा हुई है। अगर कांग्रेस पार्टी ने अपना घोषणा पत्र `न्याय पत्र' के रूप में जारी किया है तो समाजवादी पार्टी ने `जनता का मांगपत्र हमारा अधिकार' कह कर पेश किया है।

समाजवादी पार्टी ने दावा किया है कि अगर वह(इंडिया के माध्यम से) सत्ता में आई तो 2025 में जातीय जनगणना कराई जाएगी। लोगों को रोटी का अधिकार और मोबाइल डाटा का अधिकार दिया जाएगा। इस घोषणा पत्र में पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक और आधी आबादी को विशेष सुविधा दिए जाने का संकल्प जताया गया है। किसानों को सभी फसलों पर एमएसपी दिए जाने और स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट को पूरी तरह से लागू करने का भी वायदा है।

समाजवादी पार्टी ने कहा है कि अगर विपक्षी दलों का गठबंधन सत्ता में आया तो लोकसभा सीटों के सीमांकन का इंतजार

फाइल फोटो

किए बिना दो साल के भीतर आधी आबादी को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा अग्निवीर योजना को भी खत्म किए जाने का संकल्प जताया गया है। रोटी का अधिकार और महंगाई और गरीबी से मुक्ति को भी जनता का अधिकार माना गया है। सपा ने संविधान और लोकतंत्र की हिफाजत की बात की है।

लगभग यही बातें कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में भी हैं। न्याय-पत्र के रूप में कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में बेरोजगारी और गरीबी को मिटाने, स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और किसानों को एमएसपी दिए जाने की बात की गई है। साथ ही असमानता मिटाने का भी वायदा है। कांग्रेस ने न्याय के पांच स्तंभ बताते हुए 25 किस्म की गारंटियां दिए जाने की बात की है। इनमें जातीय जनगणना, आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा समाप्त करने और लोगों को प्रशिक्षण का अधिकार दिए जाने की बात है। कांग्रेस ने भी अग्निवीर योजना समाप्त किए जाने और जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की बात की है।

दोनों पार्टियों के घोषणा पत्रों को देखें तो लगता है कि उनका जोर पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यक और महिलाओं को देश की मुख्यधारा में लाने पर है। वे उनका सबलीकरण करना चाहते हैं और नहीं चाहते कि देश की दौलत चंद अमीरों के हाथों में जाए या फिर देश पर सिर्फ सवर्णों का शासन रहे।

लेकिन एनडीए इन घोषणापत्रों से इस कदर परेशान है कि सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलान कर दिया कि कांग्रेस पार्टी के घोषणा-पत्र के हर पन्ने पर आजादी के पहले वाली पार्टी मुस्लिम लीग की छाप है। सोशल मीडिया पर संघ के समर्थकों ने अभियान छेड़ दिया है कि कांग्रेस पार्टी तो लव जेहाद, आतंकवाद और तीन तलाक और 370 सभी को बहाल करने वाली है। यानी कांग्रेस ने एक तरह से देश को तोड़ने का अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि इसका जवाब कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिया है और कहा है कि आजादी से पहले मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन तो हिंदुत्व की विचारधारा की वाहक हिंदू महासभा ने किया था। कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री के सांप्रदायिकता फैलाने वाले इस बयान पर चुनाव आयोग से शिकायत भी की है।

लेकिन एनडीए गठबंधन अपनी हरकतों से बाज कहां आने वाला है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी कह रहे हैं कि इंडिया ने जनता को यह कह कर गुमराह किया है कि उनकी सरकार संविधान को कमजोर कर रही है तो दूसरी ओर अमित शाह ममता बनर्जी पर आरोप लगा रहे हैं कि वे सीएए के मामले पर गुमराह कर रही हैं। मोदी ने कहा है कि वास्तव में कांग्रेस पार्टी ने पूरे देश में संविधान लागू ही नहीं किया था। उन्होंने तो 370 खत्म करके देश पर संविधान लागू कर दिया। मोदी इंडिया गठबंधन पर आरोप लगा रहे हैं कि वह देश को तोड़ना चाह रहा है।

वास्तव में एनडीए और उसके नेताओं के भीतर यह भय व्याप्त हो रहा है कि अगर देश में पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक और आधी

फाइल फोटो

आबादी की एकता बन गई तो उसके विभाजनकारी एजेंडे का क्या होगा। भाजपा और उसके सहयोगी दल पंजाब और हरियाणा में अपनी गलत नीतियों का परिणाम देख रहे हैं। इन दो राज्यों में भाजपा ही नहीं दुष्यंत चौटाला की पार्टी जननायक जनता पार्टी को भी बायकाट का सामना करना पड़ रहा है।

मोदी सरकार का जब सबका साथ सबका विकास का नारा विफल हो गया तो उन्होंने गारंटी का नारा लगाना शुरू कर दिया है। आमतौर पर सरकार को ही समर्थन देने वाले सीएसडीएस और लोकनीति के सर्वेक्षण में यह निकल कर आया है कि इस देश के 32 प्रतिशत लोग मानते हैं कि देश का विकास सिर्फ अमीरों के लिए हुआ है और ज्यादातर संपत्तियां उन्हीं के हिस्से में गई हैं जबकि 2019 में सिर्फ 24 प्रतिशत लोगों का मानना था कि विकास सिर्फ अमीरों के लिए हुआ है। 2019 में 51 प्रतिशत लोग मानते थे कि सभी का विकास हुआ है लेकिन इस साल 48 प्रतिशत लोग ही मानते हैं कि सबका विकास हुआ है जबकि 15 प्रतिशत लोगों का मानना है कि कोई विकास नहीं हुआ है।

अभी हाल में सी वोटर्स के एक सर्वे में पता चला है कि उत्तर प्रदेश में इंडिया के मतों की संख्या में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जहां वह पहले 36 प्रतिशत था वहां अब वह 40 प्रतिशत पर पहुंच गया है। हालांकि इस दौरान भाजपा के वोट प्रतिशत में कमी नहीं बताई गई है। साफ है कि बसपा का वोट खिसक कर इंडिया में आ रहा है।

वास्तव में एनडीए में बढ़ते सवर्णों के वर्चस्व का प्रभाव पड़ रहा है और लोग मानने लगे हैं कि इस गठबंधन का नेतृत्व भले पिछड़ा वर्ग का परिधान पहनकर नरेंद्र मोदी कर रहे हों लेकिन वास्तव में यह सवर्णों और अमीरों का एजेंडा ही पूरा कर रहा है। यही वजह है कि यह सरकार न तो जातीय जनगणना कराना चाहती है और न ही गरीब किसान परिवारों को सेना में पक्की नौकरियां देना चाहती है। वह आधी आबादी को भी आरक्षण की मरीचिका दिखाना चाहती है वास्तव में उसे देना नहीं चाहती। स्त्रियों के सम्मान का दावा करती है लेकिन वह उन्हें सम्मान नहीं देना चाहती।

भाजपा भले गोदी मीडिया के माध्यम से दावा करे कि इंडिया के भीतर दरार है लेकिन हकीकत यह है कि दरार तो भाजपा के नेतृत्व के भीतर है। व्यक्तिगत, जातिगत और धार्मिक श्रेष्ठता का अहंकार भाजपा के इस चुनाव में आड़े आ रहा है। भले ही उसके पास प्रशासन और पूंजीपतियों के अकूत धन का समर्थन हो लेकिन जनता उसके भ्रष्टाचार को समझने लगी है। मेरठ में भाजपा के एक उम्मीदवार हैं अरुण गोविल जिन्होंने रामायण धारावाहिक में राम की भूमिका निभाई थी। जब उनका प्रचार करने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पहुंचे तो अरुण गोविल गाड़ी से बाहर ही नहीं निकले। इस तरह की अन्य शिकायतें संघ और भाजपा के कार्यकर्ता कर रहे हैं।

दूसरी और समाज के दलित और पिछड़े

फाइल फोटो

नौजवानों में पीडीए एकता का असर साफ दिख रहा है। दिल्ली के प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में छात्र संघ के चुनाव में न सिर्फ संघ परिवार के संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को करारी हार का सामना करना पड़ा बल्कि वामपंथी संगठनों के नेतृत्व में ऐसे उम्मीदवारों को विजय मिली जो मार्क्सवाद के साथ अंबेडकर और फुले की विचारधारा का प्रतिनिधत्व करते हैं। अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज करने वाला धनंजय गया का रहने वाला है और वह पीएचडी का छात्र है। धनंजय दलित समाज से संबंध रखता है और जेएनयू के इतिहास में दो दशक बाद कोई दलित अध्यक्ष पद पर विजयी हुआ है। अध्यक्ष ही क्योंकि महामंत्री पद पर भी हल्द्वानी की रहने वाली प्रियदर्शिनी आर्य नामक छात्रा ने जीत दर्ज की है। एक उम्मीदवार बिरसा अंबेडकर फुले स्टूडेंट यूनियन का भी जीता है।

जेएनयू में दलितों, पिछड़ों ने जो चुनाव लड़ा वह पूरी तरह इंडिया गठबंधन की विचारधारा के आधार पर ही लड़ा। यह जीत दर्शाती है कि कई वर्षों से जेएनयू पर हिंदुत्व की कब्जा करने की रणनीति मुंह की खा रही है।

पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय के एक कॉलेज में फुले अंबेडकर जयंती के सिलसिले में इस स्तंभकार को व्याख्यान देने का मौका मिला। वहां के युवाओं का उत्साह देखने लायक था। वे न सिर्फ लोकतंत्र और संविधान के भविष्य को लेकर चिंतित थे बल्कि यह प्रश्न भी कर रहे थे कि कैसे 1936 में जाति का समूल नाश जैसी पुस्तक लिखी जा सकती है और आज वैसा लिखने का साहस खत्म हो रहा है। वे महसूस कर रहे हैं कि कहीं ऐसी शक्ति है जो उन्हें कुछ देने के बहाने उनके सम्मान और समानता के अधिकारों पर डाका डाल रहा है।

उस कार्यक्रम में एक युवा ने संविधान की प्रशंसा और उसकी रक्षा की शपथ लेते हुए ऐसा गीत सुनाया जो किसी युवा तो क्या वरिष्ठ व्यक्ति के मानस को भी झकझोर देगा।

इसलिए जातीय जनगणना और उससे निकलने वाली नई सच्चाई को जानने के लिए आतुर युवा को राममंदिर और मोदी की दिखावटी गारंटियों के बहुत दिन नहीं रोका जा सकता। समाज में एक लहर है जो दिखाई भले न पड़े लेकिन उसके भीतर बदलाव की उत्कंठा है। इसीलिए यह कहने में संकोच नहीं होता कि पीडीए का एजेंडा एनडीए के गले में अटक गया है। उसने इसे हड़पने की कोशिश भी बहुत की है लेकिन यह उससे निगला नहीं जा रहा है।

डिंपल ने मैनपुरी का मन जीता

बुलेटिन ब्यूरो

वे मैनपुरी की बहू हैं लिहाजा उनकी साड़ी का पल्लू सिर पर रहता है। औरतें उन्हें छूती हैं, कंधे पर हाथ रखती हैं तो वह भी उनका हाथ आत्मीयता से पकड़ लेती हैं। झुककर अपनेपन से उनकी बात सुनती हैं। लगता ही नहीं कि वह उनकी सांसद हैं। महिला हैं तो उनका दर्द भी बखूबी समझ रही हैं। इन्हीं गुणों की बदौलत समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव ने मैनपुरी का दिल जीत लिया है।

डिंपल यादव मैनपुरी से सांसद है। नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी संसदीय सीट के उपचुनाव में सपा प्रत्याशी डिंपल जी ने भारी मतों से जीत दर्ज की थी। लोकसभा चुनाव में वे फिर एक बार सपा की प्रत्याशी हैं। उनके नाम की घोषणा होने के साथ ही डिंपल जी चुनाव प्रचार में

जुट गई हैं। 16 अप्रैल को उन्होंने मैनपुरी में अपना नामांकन भी दाखिल किया। इस अवसर पर सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव, प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव और राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल यादव समेत पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

उनकी सादगी, सरलता और सहजता से मैनपुरी वाले अभीभूत हैं। डिंपल मैनपुरी के लिए बाहरवाली नहीं बल्कि अपनी हैं, तभी तो नेताजी के बाद उनकी बहू को ही मैनपुरी ने चुना। डिंपल मैनपुरी को अपना घर मानती हैं तभी वह महिलाओं के बुलावे पर कभी उनके ड्राइंगरूम या बेडरूम में बातें करने बैठ जाती हैं तो कभी वहां चाय नाश्ता करने लगती हैं। वे कहती हैं कि ये मेरा घर है। मेरी माटी है। मेरे अपने लोग हैं। डिंपल की यही सादगी लोगों के मन को भा रही है। बुजुर्ग महिलाएं उन्हें गले लगाती हैं, बुजुर्ग पुरुष उन्हें आशीर्वाद देते हैं तो लड़कियां उनके साथ सेल्फी खिंचवाने के लिए लालायित रहती हैं।

लोगों के बीच उनकी संवेदनशीलता के चर्चे हैं। वहीं उनके स्पष्ट विज़न की भी बात हो रही है। जब वह लड़कियों से मिलती हैं तो उनकी सुरक्षा के बारे में पूछना नहीं भूलती। उन्हें शिक्षा जारी रखने की सलाह देती हैं। चुनाव करीब है तो वह ताबड़तोड़ जनसम्पर्क कर लोगों के दुख दर्द को समझने की कोशिश कर रही हैं तो वहीं अपने कड़े तेवरों से भाजपा को घेरने से चूकती भी नहीं हैं। खासकर महिलाओं के साथ होने वाले अपराध उनके निशाने पर रहते हैं। बेरोजगारी के मुद्दे पर भी वह सत्ताधारी पार्टी को घेर रही हैं कि युवाओं के रोजगार के लिए सरकार ने कुछ नहीं किया। शिक्षा को लेकर भी वह जागरूक हैं और कहती हैं कि अच्छी शिक्षा जरूरी है। वहीं अस्पतालों की दुर्दशा और प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था भी उनके निशाने पर है। वह लड़कियों को भी जागरूक कर रही हैं कि यदि प्रदेश सुरक्षित नहीं होगा तो उनके लिए शिक्षा और रोजगार की राह कठिन होगी।

चाहे जसवंतनगर हो या ट्रांसपोर्ट नगर, वह साफ कहती हैं कि किसी को विकास देखना हो तो अपने आसपास के 10 गांव देख लीजिए, बेरोजगारों की लंबी फौज दिखेगी, विकास कहां है? सुशासन का अतापता नहीं

लेकिन चुनावी दौर है तो भ्रष्टाचारी भाजपा में शामिल होकर पाक साफ हो रहे हैं। किशनी विधान सभा की ग्राम पंचायत इलाबास में वह सत्ता पक्ष को घेरते हुए आरोप लगाती हैं कि भाजपा सरकार में मैनपुरी के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है। मैनपुरी के लोगों ने नेताजी के विकास को देखा है। भाजपा नफरत फैलाने का काम करती है। जिले में दिखने वाला विकास सपा शासन में ही हुआ है।

उनकी नुक्कड़ सभाओं खूब भीड़ जुट रही है। उनको सुनने के लिए भीड़ जुट रही है। सभाओं के बाद वह जिस अंदाज में लोगों से मिलती और बातें हैं, वह सहजता जल्दी किसी महिला सांसद में देखने को नहीं मिलती। यही कारण है कि मैनपुरी में मतदान से काफी पहले ही लोगों ने यह निष्कर्ष निकाल लिया है कि डिंपल जी ही यहां की सांसद बनी रहेंगी।

दम दिखा रहीं समाजवादी नारियां

बुलेटिन ब्यूरो

महिलाओं को हक देने की बात तो सभी करते हैं लेकिन समाजवादी पार्टी ने ही उन्हें उनका हक दिया है। इसका प्रमाण है समाजवादी पार्टी की ओर से लोकसभा चुनाव में अच्छी संख्या में महिलाओं को टिकट दिया जाना। यह इस बात का भी प्रमाण है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ाने के पक्के हिमायती हैं। संसद में नारी को प्रतिनिधित्व देने के श्री अखिलेश यादव के पक्के इरादे को जनता ने भी बेहद पसंद किया है इसीलिए इन महिला उम्मीदवारों को व्यापक जनसमर्थन भी मिल रहा है। वहीं, चुनावी समर में समाजवादी पार्टी की ओर से उतरीं ये सभी महिला नेता भी जमीन पर अपना दमखम दिखा रही हैं। घर-घर जाकर लोगों से मिल रही हैं, उनकी समस्याएं सुन रही हैं, उनके दुख-दर्द बांट रही हैं। इनमें खांटी महिला नेता हैं तो पहली बार चुनाव लड़ रही युवा नेता भी।

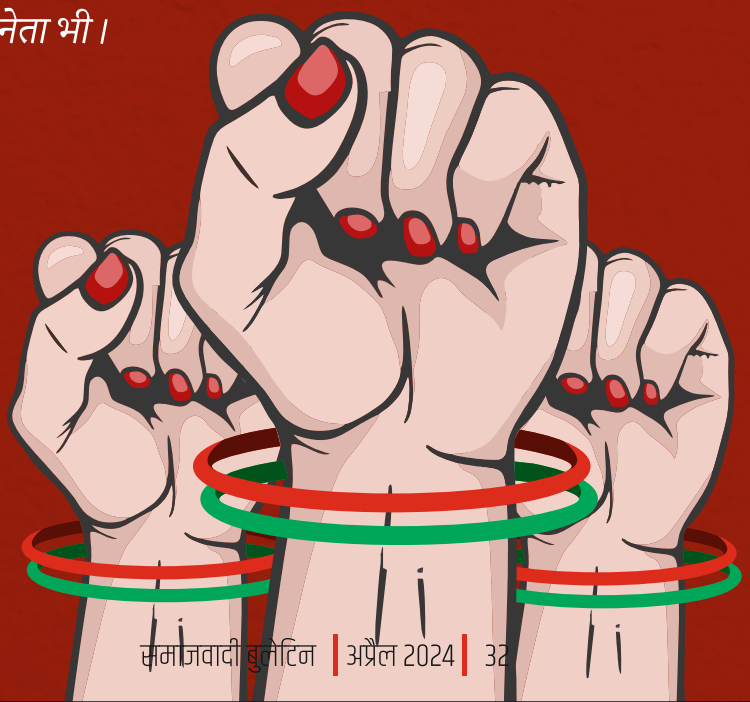

कैराना में इकरा के उसूल

उसूलों पर जब आंच आए तो टकराना जरूरी है, जिंदा हो तो जिंदा नजर आना जरूरी है.... इस एक शेर से ही इकरा मुन्नवर हसन के इरादों का अंदाजा लग जाता है। कैराना से सपा प्रत्याशी इकरा के इरादे साफ हैं। वह लंदन से पढ़ी हैं लेकिन उन्होंने अपनी जमीन को ही अपनी कर्मभूमि चुना है। भाई की विधानसभा चुनाव में मदद करते-करते उन्हें यहां की विषमताओं का अंदाजा हुआ और वह चुनाव मैदान में उतर आईं। कैराना ने उन्हें बिटिया का दर्जा दिया है। हिंदू मुस्लिम सभी वर्ग के लोग इकरा को ये कहकर सपोर्ट करते नज़र आ जाएंगे कि ये तो अपनी बिटिया है। संसद में अगर इकरा जैसी आवाज़ पहुंचती है तो ये पश्चिम की सियासत में इकरा हसन के रूप में एक नए युवा राजनीतिक सूर्य के उदय होने जैसा होगा।

मुरादाबाद में रुचि

मुरादाबाद में सपा प्रत्याशी रुचि वीरा राजनीति में नई नहीं है। यहां की धरती के लिए उन्होंने बहुत कुछ किया है। यहां के मुस्लिम भाई याद करते हैं कि कैसे कोरोना काल में जब वे लौटे और क्वारंटीन सेंटरों पर थे और रमजान आया तो रुचि वीरा अपने हाथों से इफ्तारी और सहरी बना कर भेजती थीं। रुचि वीरा मस्जिद या मंदिर में बराबरी से जाती हैं। सपा सरकार के कामों को गिनाते हुए वह पूछना नहीं भूलती कि भाजपा सरकार ने आपको दिया क्या है?

गोण्डा में श्रेया की शक्ति

एक महिला पूर्ण चक्र है। उसके भीतर सृजन, पोषण और परिवर्तन की शक्ति है। यह कहना है कि गोण्डा से सपा प्रत्याशी युवा श्रेया वर्मा का। गोण्डा के लिए श्रेया वर्मा नया नाम हो सकती हैं लेकिन वह नई नहीं हैं। सपा के संस्थापक स्वर्गीय बेनी प्रसाद वर्मा की पोती हैं। सपा महिला कार्यकारिणी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। श्रेया युवा हैं, महिला हैं तो महिलाओं का दर्द भी समझती हैं। वह कहती हैं कि मैंने बाबा और पिताजी से विकास व रोज़गार रूपी पटकथा लिखना सीखा है। हम युवाओं, महिलाओं, किसानों, गांवों आदि के दुखदर्द को मिटा कर रहेंगे।

उन्नाव की अन्नू

यूं तो उन्नाव अन्नू टण्डन की कर्मभूमि है लेकिन इस लोकसभा चुनाव में वह नए नजरिए के साथ उतरी हैं। उनका कहना है कि बहनों की छोटी छोटी सी जरूरतें होती हैं। इनकी छोटी, बड़ी सभी जरूरतों की आवाज़ बनने की अभिलाषा है। सपा प्रत्याशी अन्नू बंथरा में सड़क दुर्घटना में मृतकों के घरवालों के साथ संवेदना जताने पहुंच जाती हैं तो नवरात्र में मंदिर में देवी मां के दर्शन करने। वह ताबड़तोड़ जन संपर्क कर समाजवादी पार्टी की नीतियां घर-घर पहुंचा रही हैं।

हरदोई में ऊषा का उत्साह

ऊषा वर्मा और हरदोई एकदूसरे से परिचित हैं। वह यहां सांसद रह चुकी हैं लेकिन अब भी लक्ष्य भेदने के लिए उनका उत्साह पहले वाला ही है। सपा प्रत्याशी ऊषा कहती हैं कि आसमान के सितारे भी हमें राह दिखा देंगे, अगर मंजिल पाने के लिए हम अपनी जान लगा देंगे। वह सपा सरकार के कामों को लगातार गिना रही है चाहे वह जनेश्वर मिश्र पार्क हो या फिर इकाना स्टेडियम या फिर लोहिया पार्क या समाजवादी एम्बुलेंस और मुफ्त दवा का मामला हो। वह कहती हैं कि जुमलेबाजी से दूर सपा सरकार सुविधा देने में यकीन रखती है।

गोरखपुर पर काजल का रंग

गोरखपुर से सपा प्रत्याशी काजल निषाद उनके नाम की घोषणा होने के साथ ही जोरदार प्रचार में जुट गईं। इस वादे के साथ कि कोई भी तकलीफ उन्हें जनता से मिलने से नहीं रोक सकती। कभी वह जनता के हक में थाने पहुंच जातीं तो कभी गोरखपुर के वर्तमान भाजपा सांसद के घर के सामने लगे हुए पोस्टर को दिखा कर आचार संहिता के उल्लंघन के लिए प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठातीं । दुर्भाग्य से प्रचार के दौरान ही तबियत ख़राब हो जाने से उन्हें अस्पताल में दाखिल होना पड़ा। समाजवादी परिवार उनके शीघ्र ही स्वस्थ होकर फिर से प्रचार शुरू करने की कामना करता है ।

अखिलेश, कन्नौज और आत्मीय संवाद

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 2 अप्रैल को कन्नौज में कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत करते हुए कार्यकर्ताओं से सीधा और आत्मीय संवाद किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में श्री अखिलेश यादव की मौजूदगी से कार्यकर्ता उत्साहित रहे और उन्होंने अपने प्रिय नेता के स्वागत में जमकर नारे लगाए।

श्री अखिलेश यादव ने भी कार्यकर्ताओं से बातचीत की और उनसे आत्मीय संवाद करते हुए उनसे सुझाव लिए और लोकसभा चुनाव-2024 को जीतने का मंत्र बताते हुए भाजपा की साजिशों का डटकर मुकाबला करने का आह्वान किया।

कार्यकर्ता सम्मेलन में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कन्नौज में जो जोश दिखाई दे रहा है उससे स्पष्ट है कि अब विरोधियों की दाल नहीं गलने वाली। जनता जानती है कि कन्नौज का विकास सिर्फ समाजवादियों ने किया, उससे आगे कोई विकास नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने कन्नौज समेत प्रदेश में समाजवादी सरकार में हुए विकास कार्यों को रोक दिया है। समाजवादी सरकार में जिस कन्नौज की पहचान सुगंध और विकास के लिए हो रही थी उसे अब भाजपा सांसद की करतूतों की वजह से जाना जाता है। कुछ दिन पहले भाजपा नेता ने लोधी समाज के लोगों को अपमानित करते कहा कि लोधी समाज को पैसा देकर वोट लिया। यही भाजपा का चरित्र है। भाजपा जनता से वोट लेती है और फिर अपमानित करती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा को विकास कार्यों से कोई मतलब नहीं है। भाजपा सिर्फ वोट की राजनीति करती है। कन्नौज की जनता सब समझ चुकी है। इस बार लोकसभा चुनाव में कन्नौज से समाजवादी पार्टी की ऐतिहासिक जीत होगी।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को समझाया कि भाजपा सरकार इंडिया गठबंधन की एकजुटता से घबराई हुई है। विपक्षी नेताओं पर फर्जी मुकदमें लगाकर बदनाम किया जा रहा है। हम सभी को न्यायपालिका से उम्मीद है। कोर्ट सच का साथ देगा। धीरे-धीरे सभी नेता छूट जाएंगे।

भाजपा सरकार ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद आजम खां साहब और उनके परिवार तथा समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी को झूठे मुकदमों में फंसाया है। विपक्ष की आवाज दबाने के लिए द्वेष भावना के चलते इन नेताओं को जेल भेजा है। इस बार लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा के अन्याय और झूठे मुकदमों के खिलाफ मतदान करेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने ईडी, सीबीआई और सरकारी एजेंसियों का डर दिखाकर और दबाव बनाकर चंदा वसूली की है। इस बार का लोकसभा चुनाव भाजपा की चंदा वसूली, बढ़ी हुई मंहगाई, बेरोजगारी के खिलाफ होगा। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। देश के इतिहास में पहली बार डर दिखाकर वसूली की जा रही है।

भाजपा ने डर दिखाकर इलेक्टोरल बांड के नाम पर तमाम कम्पनियों से वसूली की। किसी से एक हजार करोड़ रुपये तो किसी से पांच सौ करोड़ रुपये तो किसी से 400 करोड़ रूपये की वसूली की। यही नहीं भाजपा के लोगों ने कोरोना वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से भी चंदा वसूली कर ली। वसूली का भंडाफोड़ हुआ तो ध्यान हटाने के लिए भाजपा सरकार ने विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कराया।

श्री यादव ने कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। हर वर्ग परेशान है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी के लिए भाजपा की सरकार जिम्मेदार है। दस साल में भाजपा सरकार ने हर चीज के दाम बढ़ा दिए है। किसानों, नौजवानों को धोखा दिया। भाजपा दुनिया ही नहीं, ब्रह्माण्ड की सबसे झूठी पार्टी है। भाजपा झूठे वादे करती है। इस पर कोई भरोसा नहीं करता है। भाजपा लोकतंत्र को खत्म कर रही है। जनता भाजपा से नाराज है इसलिए लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए वोट करेगी।

बाबा साहब का संविधान खतरे में

-अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती पर 14 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश के सभी जनपद कार्यालयों पर कार्यक्रम हुए जिसमें बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर डॉ राम मनोहर लोहिया सभागार में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

बाबा साहब को नमन करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज बाबा साहब का संविधान व लोकतंत्र खतरे में है जिसे बचाने के लिए समाजवादी पार्टी संघर्षरत है। लोकसभा चुनाव 2024 में संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण बचाने के लिए PDA एकजुट होकर भाजपा को हराएगा।

श्री अखिलेश यादव ने बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के जीवन संघर्ष को याद करते हुए कहा कि समाज में क्रांतिकारी बदलाव लाने में बाबा साहब का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने संविधान में एक व्यक्ति-एक वोट के साथ मौलिक अधिकारों की स्थापना कर व्यक्ति की गरिमा और सम्मान को संरक्षित किया। जाति के कारण अमानवीय भेदभाव पर प्रहार करते हुए उन्होंने समाज में समानता का संदेश दिया।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों को मिले आरक्षण को नया संविधान बनाकर खत्म करना चाहती है। बाबा साहब के बनाए संविधान को बदलने के लिए भाजपा लोकसभा चुनाव जीतना चाहती है। सदियों से 4-5 फीसदी प्रभुत्ववादी सोच के लोग 90-95 फीसदी लोगों को अपना गुलाम बनाए रखना चाहते हैं। दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों के प्रति भाजपा की नीयत ठीक नहीं है। भाजपा लगातार संविधान विरोधी कार्य कर रही है। लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई एक बार फिर लड़नी होगी। महंगाई, भ्रष्टचार, अन्याय, अत्याचार चरम पर है इससे जनता की कमर टूट गई है। नौजवानों के सामने अंधेरा है। रोटी-रोजगार की कहीं गुंजाइश नहीं। सीमाएं असुरक्षित हैं। चीन लगातार भारत की जमीन पर कब्जा करता जा रहा है। तिब्बत में स्थित हमारे देव स्थान पवित्र झील मानसरोवर और कैलाश पर्वत पहले से ही चीन के कब्जे में हैं। इस सबके बावजूद भाजपा 400 पार का नारा कैसे दे सकती है? उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में पीडीए एकजुट होकर भाजपा को हराएगा। भाजपा के संविधान विरोधी षडयंत्र को पीडीए विफल कर देगा। पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक मिलकर भाजपा को हराएंगे। संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण बचाएंगे। उन्होंने भाजपा -हटाओ, संविधान बचाओ, भाजपा -हटाओ, आरक्षण बचाओ का नारा देते हुए कहा कि भाजपा कभी भी सच नहीं बोल सकती है। भाजपा ने छात्र-नौजवानों, महिलाओं, मजदूर-किसानों और व्यापारियों को धोखा दिया है।

कार्यक्रम में सर्वश्री माता प्रसाद पाण्डेय, बलराम यादव, राजेन्द्र चौधरी, अरविन्द कुमार सिंह, शैलेन्द्र यादव ललई, प्रो बी. पांडेय, राजेश गुड्डू, उदयवीर सिंह, रामजतन राजभर, कैलाशनाथ सोनकर, दिलीप वर्मा, तूफानी सरोज, वंदना मिश्रा, ममता शर्मा, पूर्णमासी देहाती, निखिल कनौजिया, प्रदीप कनौजिया, दिलीप कमलापुरी, मरगूब कुरैशी आदि ने भी बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

सपा में विमर्श एवं सहमति को महत्व

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी अपने स्थापना काल से ही स्वतंत्रता आंदोलन के आदर्शों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध रही है। संविधान और लोकतंत्र बचाने की निर्णायक लड़ाई भी पूरी संजीदगी के साथ लड़ रही है। समाजवादी पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र का सम्मान करते हुए प्रत्याशी चयन में नीचे से ऊपर स्तर तक विमर्श एवं सहमति की प्राथमिकता रहती है। समाजवादी पार्टी और सत्ताधारी दल भाजपा में एक बुनियादी फर्क है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव राजनीतिक शुचिता को महत्व देते हैं जबकि भाजपा में एकाधिकारवादी संस्कृति हावी है। लोकसभा चुनाव में कुछ प्रत्याशियों के परिवर्तन का अर्थ है कि समाजवादी पार्टी में लोकतंत्र है। वह अपने कार्यकर्ताओं की आवाज को सम्मान देती है जबकि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा असहमति को कुचल दिया जाता है।

जिन्हें राजनीतिक इतिहास में रुचि है वे जानते हैं कि लोकनायक जयप्रकाश

नारायण जी का स्पष्ट विचार था कि जनता को अपना प्रत्याशी चुनने का अधिकार होना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी तो राजनीति में शुचिता के इतने बड़े हिमायती थे कि वे चुनाव प्रचार के दौरान मंच से ही अपने प्रत्याशी के खिलाफ भी घोषणा कर देते थे। राजनीति में शुचिता के प्रति इस आग्रह के कई उदाहरण है। वे सत्ता की राजनीति नहीं, नैतिक मूल्यों की राजनीति करते थे।

एक उदाहरण तो बहुतों की जानकारी में है। सन् 1974 में भारतीय क्रांति दल के गाजियाबाद से विधानसभा प्रत्याशी श्री राजेन्द्र चौधरी थे और बागपत से पूर्व राज्यपाल श्री सत्यपाल मलिक प्रत्याशी घोषित किए गए थे। ये दोनों उन दिनों मेरठ विश्वविद्यालय में छात्र आंदोलन में सक्रिय रहते थे।

चौधरी चरण सिंह जी ने गाजियाबाद में चुनावी सभा में मतदाताओं से युवा प्रत्याशी श्री राजेन्द्र चौधरी को वोट और नोट देकर जिताने की अपील की। इससे उलट बस्ती के हर्रैया में उन्होंने मंच से ही प्रत्याशी बदल दिया था। अपने घोषित प्रत्याशी की कमियों की जानकारी जनता द्वारा होने पर और उसे न चुनने की सार्वजनिक अपील को स्वीकार्य करने में चौधरी साहब ने कभी संकोच नहीं किया।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी ने जो राजनीति में लोकतांत्रिक मूल्य स्थापित किये थे, उन्हीं राजनीतिक मूल्यों को श्री अखिलेश यादव आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। भाजपा ने सत्ता के लिए जिताऊ प्रत्याशी होने को लक्ष्य बनाकर उन्हें भी अपना लिया है जिनके खुले भ्रष्टाचार की निंदा करते पहले

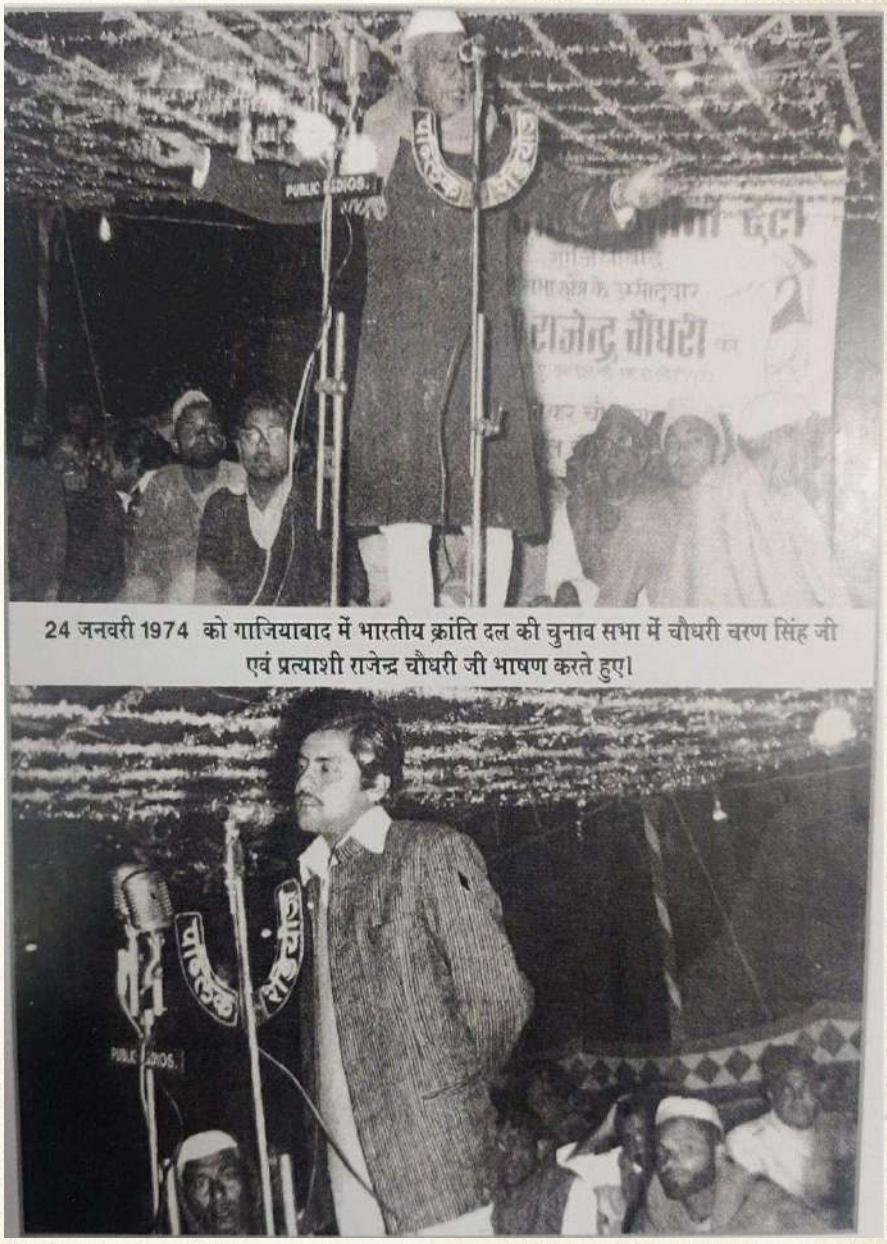

24 जनवरी 1974 को गाजियाबाद में भारतीय क्रांति दल की चुनाव सभा में चौधरी चरण सिंह जी एवं प्रत्याशी राजेन्द्र चौधरी जी भाषण करते हुए।

फाइल फोटो

थकते नहीं थे। भाजपा को इसलिए वाशिंग मशीन भी कहा जा रहा है। भाजपा में आकर अब भ्रष्ट, दागी और जनविरोधी भी साफ सुथरा होने का दावा करता है।

जब भ्रष्ट प्रत्याशी जनता पर थोपे जाएंगे तो संसद की गरिमा और चुनाव की शुचिता कहां रहेगी? राजनीति तब जनता के लिए नहीं किसी अन्य के लिए हो जाएगी। चुनाव में योग्य जनसेवी प्रत्याशी के पक्ष में मतदान से राजनीति में विचार, ईमानदारी और लोककल्याण की स्थापना होना अपेक्षित है।

अखिलेश ने परिवार से मिलकर बांटा गम

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 7 अप्रैल को पूर्व विधायक दिवंगत मुख्तार अंसारी के गाजीपुर जिले के मोहम्मदाबाद स्थित उनके आवास 'फाटक' पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने परिवारजनों संग गम को बांटते हुए शोक संवेदना प्रकट की। श्री यादव ने पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान जज की निगरानी में न्यायिक जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि भाजपा सरकार पर किसी को भरोसा नहीं है। सरकार न्याय नहीं दिलाएगी।

दिवंगत मुख्तार अंसारी के आवास पर श्री अखिलेश यादव ने मुख्तार अंसारी के भाई गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी, बेटे उमर अंसारी, भतीजे शोएब अंसारी तथा अन्य परिवारजनों से मुलाकात की। इस अवसर पर वहां समाजवादी पार्टी के बड़ी संख्या में नेता कार्यकर्ता और गाजीपुर जिले

के नागरिक मौजूद रहे।

बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार आई है, संवैधानिक संस्थानों पर भरोसा कम हुआ है। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी ने खुद कहा था कि जेल में उन्हें जहर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है की सरकार सच्चाई सामने लाएगी और दिवंगत मुख्तार अंसारी के परिवार वालों को न्याय मिलेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जो व्यक्ति इतने वर्षों तक जेल में रहा हो, उसके बाद भी जनता उसे जिता रही हो तो इसका मतलब है कि उस व्यक्ति और उसके परिवार ने जनता के बीच रहकर उनके दुख दर्द में साथ दिया है। उन्होंने कहा कि मीडिया खासतौर पर सोशल मीडिया में तमाम कहानियां हैं कि किस तरह से इस परिवार ने लोगों के बीच काम किया है और उनके दुख दर्द को बांटा। यह परिवार हमेशा जनता के बीच रहता है।

श्री यादव ने कहा कि उन्होंने हमेशा कहा है कि भाजपा सरकार में लोगों के साथ भेदभाव हो रहा है। देश में सबसे ज्यादा पुलिस हिरासत में मौतें उत्तर प्रदेश में हो रही है। जेल में, थाने में मौतें होना, मुख्यमंत्री आवास के सामने न्याय न मिलने से आत्मदाह की कोशिश जैसी तमाम घटनाएं हो रही हैं। उत्तर प्रदेश में न्याय न मिलने से तमाम लोगों की जाने गईं है लेकिन इस सरकार को कोई परवाह नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने सवाल किया कि क्या कोई स्वीकार करेगा कि मुख्तार अंसारी की यह नेचुरल डेथ थी। क्या आम जनमानस में यह भावना नहीं है कि सरकार कुछ छिपा रही है? मुख्तार अंसारी के साथ जेल में जो घटना हुई, सरकार के पास उसका कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी हर नागरिक को सुरक्षा देने की होती है। जो सरकार लोगों को सुरक्षा और न्याय नहीं दे सकती है वह सरकार जनता की नहीं हो सकती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह लोकतंत्र बचाने का आखिरी चुनाव है। अगर जनता वोट देने नहीं निकलेगी तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने पर तुली है। भाजपा सरकार सरकारी संस्थाओं को खत्म कर रही है। भाजपा सरकार ने जनता के भरोसे और सच्चाई पर आघात किया है।

ईद की खुशियों में शरीक हुए अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव-2024 की व्यस्तताओं के बीच अपनों के साथ त्योहारों की खुशियां बांटना कोई समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से सीखे। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के चुनाव प्रचार अभियान में जुटे श्री अखिलेश यादव ने ईद के दिन 11 अप्रैल को भाईचारा मजबूत करने, सभी की खुशियों में शरीक होने के लिए लखनऊ के ऐशबाग ईदगाह पहुंचकर नमाजियों का अभिवादन किया। उन्हें ईद की तहे दिल से बधाई दी।

श्री अखिलेश यादव हर साल ऐशबाग ईदगाह जाते हैं। जब वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब भी वह ईद के दिन ऐशबाग ईदगाह जरूर जाते थे। यह परंपरा उन्होंने आज भी कायम रखी है। यही वजह है कि उनका ऐशबाग ईदगाह में इंतजार होता है और गर्मजोशी से इस्तकबाल किया जाता है।

ईद के दिन ऐशबाग ईदगाह पहुंचने पर एकत्र जनसमुदाय ने अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारों के साथ उनका अभिनंदन किया। श्री अखिलेश यादव ने वहां मौजूद उलेमाओं और हजारों की तादाद में मौजूद नमाजियों का अभिवादन करते हुए उन्हें ईद-उल-फितर की बधाई दी। यहां अपने संबोधन में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे समाज की खूबसूरती इसी में है कि हम

हर त्योहार मिलजुल कर मनाते हैं। हिन्दू-मुसलमान भाईचारा की यह मिसाल है। सर्वधर्म समभाव हमारी संस्कृति का अंग है।

ईदगाह पहुंचने पर इमाम ए ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने श्री अखिलेश यादव का गर्मजोशी से इस्तकबाल किया। श्री यादव ने उन्हें मुबारकबाद दी। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, विधायक एवं लखनऊ लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा तथा महानगर अध्यक्ष फाकिर सिद्दीकी भी उनके साथ रहे।

ईदगाह में जनसमुदाय को ईद की बधाई देने के बाद श्री अखिलेश यादव ने बीमार चल रहे पूर्व महानगर अध्यक्ष श्री मुजीबुर्रहमान बबलू के मौलवीगंज स्थित आवास पर जाकर उनका हालचाल जाना। उन्होंने फूलबाग में शाहिद मिर्जा लेन स्थित श्री कामरान बेग, नेता पार्षद दल के घर जाकर ईद की बधाई दी। श्री यादव ने लखनऊ के कैसरबाग स्थित महमूदाबाद हाउस जाकर प्रो. अली पुत्र राजा महमूदाबाद से भेंट की और फिर गौतमपल्ली कालोनी में पूर्व मंत्री श्री अम्मार रिजवी एवं मोनी भाई को भी ईद की बधाई दी।

त्योहार की खुशियां बांटने के क्रम में श्री अखिलेश यादव टीले वाली मस्जिद भी गए। टीलेवाली मस्जिद के इमाम साहब ने श्री अखिलेश यादव का इस्तकबाल किया और उनकी तरक्की के लिए दुआ की।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा की चला-चली की बेला आ गयी है।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

पीलीभीत का बाँसुरी उद्योग पूरी तरह ख़ात्मे की ओर है।

अब जब भाजपा जायेगी तब ही पीलीभीत की जनता चैन की बंसी बजाएगी।

पूरा प्रदेश छुट्टा पशुओं से परेशान है और पीलीभीत जंगली जानवरों से, भाजपा न शहरों को बचा पा रही है, न खेतीबाड़ी को, न जनता की जान को... भाजपा एक नाकाम सरकार है।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

वक़्त देता है दिलासा देकर हाथों में हाथ
यकीन रखो करेगा ऊपरवाला ही इंसाफ़

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

एक की मनमर्ज़ी बनाम 144 करोड़ के भविष्य का चुनाव है।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सभी को गुड़ी पड़वा एवं चैत्र नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

यह नव वर्ष आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लेकर आये।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

एकता में जीत है!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ग्राम- हँसापुर, जिला- मेरठ

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

पश्चिमी उप्र में जिस प्रकार भाजपा की घोषित संयुक्त रैली में उनके साथ गये दल भी अपनी जगह नहीं बना पा रहे हैं और उपेक्षित होकर अपमान का घूंट पीकर रह जा रहे हैं, यहाँ तक कि अपने प्रत्याशी के समर्थन में की जा रही रैली तक में वो हिस्सा नहीं ले पा रहे हैं, इससे साफ़ ज़ाहिर होता है कि भाजपा का गठबंधन 'गाँठबंधन' बन चुका है और वो पश्चिमी उप्र में सामाचार भर के लिए बचा है, सच में नहीं। भाजपा पश्चिमी उप्र में हार मान चुकी है।

24 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की बोहनी ख़राब हो जाएगी क्योंकि उप्र में चुनाव पश्चिमी उप्र से ही शुरू हो रहा है। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के आगे भाजपाइयों का गुट हथियार डाल चुका है।

पश्चिमी यूपी भी कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा।

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उप्र भाजपा ही नहीं बल्कि पूरे देश में भाजपा के अंदर असंतोष उबाल पर है। हालिया मामले में उप्र के बरेली शहर में भाजपा सांसद के कार्यालय में उप्र भाजपा के अध्यक्ष को भाजपाई कार्यकर्ताओं ने ही घेर लिया क्योंकि उनके अपने भाजपाई मेयर ने कुर्मी समाज के प्रति अति आपत्तिजनक अभद्र बात कही थी। पूरे देश में इसी तरह की बात के लिए क्षत्रिय-ठाकुर-राजपूत समाज भाजपा को हराने के लिए गंगाजल उठाकर संकल्प ले रहा है या देवी माँ की कसमें खा रहा है। गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पश्चिमी व पूर्वी उत्तर प्रदेश सब जगह भाजपा हार रही है। भाजपा का अहंकार जनता तोड़ देगी।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जिन्होंने माफ़ी मँगवायी वो भी अगर माफ़ी माँगें तो भी घोसी नहीं जीतेंगे। भाजपा सरकार को इन महाप्रवक्ता जी को 'बतोड़ा मंत्रालय' खोलकर दे देना चाहिए।

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 5d
समर्थकों का ये उत्साह ही होता है जीत का मंत्र!

#PDA_हरायेगा_NDA

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

यूपी की भाजपा सरकार व उनकी पुलिस से त्रस्त होकर आम जनता 'हाय-हाय' के नारे लगा रही है। भाजपा को सबक़ सिखाने के लिए अब तो जनता भी सड़क पर उतर आयी है। भाजपा का जाना पक्का हो गया है, बस तारीख़ आनी बाक़ी है।

भाजपा हटाओ-संकट मिटाओ!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

समाजवादी छात्र सभा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, लखीमपुर खीरी निवासी श्री आकाश लाला जी का निधन, अत्यंत दुःखद !

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो।

भावभीनी श्रद्धांजलि !

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

देश की सुरक्षा को मज़बूत करने की समाजवादी पार्टी की सोच उसके कामों में दिखती है, तभी तो एक्सप्रेस-वे को इतना मज़बूत बनाया कि युद्ध के आपातकालीन हालातों में उसे लड़ाकू विमानों के लिए रन-वे की तरह इस्तेमाल किया जा सके।

इस कामयाब उड़ान की बुनियाद में हम हैं।

सपा का काम, देश के नाम!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा राज में गेहूँ की तरह पिस रहा है गेहूँ का किसान।

किसान कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

परम पूज्य महान संत श्री शिवशंकर चैतन्य भारती जी के ब्रह्मलीन होने का समाचार हम सबके लिए स्तब्धकारी है। उनका प्रेरणादायी जीवन-सिद्धांत ही अब हम सबके लिए उनकी अशरीरी उपस्थिति का संवाहक होगा।

श्रद्धांजलि!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जनता ने जब अपने सुनहरे भविष्य को विकल्प के रूप में चुनते हुए, इंडिया गठबंधन को जिताने व भाजपा को हराने का संकल्प ले ही लिया है, ऐसे में भाजपा का 'संकल्प पत्र' किसी काम का नहीं।

झूठ और जुमले जिनकी पहचान बन गये हों जनता न उनके संकल्प-पत्र पर विश्वास कर रही है न भविष्य की गारंटी पर। जिन्होंने अपने वादे पिछले दस सालों के राज में पूरे नहीं किये वो भला भविष्य की गारंटी देने की बात कैसे कह सकते हैं। भाजपा में हिम्मत है तो 2014 और 2019 का अपना मैनिफ़ेस्टो निकालकर हिसाब दे कि उन्होंने अपना कौन सा वादा पूरा किया।

भाजपा का संकल्प-पत्र ब्रह्मांड में झूठ का रिकॉर्ड तोड़नेवाले जुमलों का दस्तावेज़ भर हैं।

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 4d
देश के प्रधान संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा दरोगा के साथ हिंसक व्यवहार भाजपाई अराजकता की पराकाष्ठा है। अब देखते हैं इन असामाजिक तत्वों के घरों पर बुलडोज़र कब चलता है।

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

समाजवादी पार्टी गुजरात इकाई के वरिष्ठ नेता, राष्ट्रीय सचिव श्री वेल्जी भाई नकुम जी का निधन, अपूरणीय क्षति!

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करे।

विनम्र श्रद्धांजलि!

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

इस बार PDA सरकार

समाजवादी पार्टी

/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in

QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें

/Akhilesh Yadav

/Samajwadi Party